बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -01-11-2020**

विषय -हिन्दी (व्याकरण) **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज कारक एवं विशेषण

के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

कारक-

वे शब्द जिनका क्रिया के साथ प्रत्यय या अप्रत्यय संबंध बना रहता है अथवा जो शब्द क्रिया सम्पादन में उपयोगी सिद्ध होते है उन्हें कारक कहते है। कारक 8 प्रकार के होते है।

कर्ता- ने

कर्म – को

करण – से , द्वारा

सम्प्रदान- के लिए

अपादान- से (अलग होने के लिए)

संबंध- का, के, की, रा, रे, री

अधिकरण- में, पर

सम्बोधन- हे, औ, अरे

विशेषण एवं विशेष्य

- विशेषण – संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते है।
- विशेष्य- जिन संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बतायी जाये वह विशेष्य कहलाते है।
  उदहारण- गीता सुन्दर है इस वाक्य में सुन्दर विशेषण है एवं गीता विशेष्य है।

विशेषण के भेद

विशेषण के मुख्यतः आठ भेद होते हैं।

1. **गुणवाचक विशेषण**
2. **संख्यावाचक विशेषण**
3. **परिमाणवाचक विशेषण**
4. **सार्वनामिक विशेषण**
5. **व्यक्तिवाचक विशेषण**
6. **प्रश्नवाचक विशेषण**
7. **तुलनाबोधक विशेषण**
8. **सम्बन्धवाचक विशेषण**